लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. *224
05 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

नासिक में वस्त्र क्षेत्र से संबंधित संभावनाएँ

***224. श्री राजाभाऊ पराग प्रकाश वाजे:**

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने महाराष्ट्र के नासिक जिले में हथकरघा, विद्युतकरघा, परिधान और तकनीकी वस्त्र सहित वस्त्र क्षेत्र से संबंधित संभावनाओं का आकलन किया है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा और इसके प्रमुख निष्कर्ष क्या हैं;

(ग) क्या नासिक में छोटे बुनकरों, विद्युतकरघा संचालकों और वस्त्र क्षेत्र से संबंधित एमएसएमई को विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के बावजूद आधुनिक बुनियादी ढाँचे, सामान्य सुविधाओं, डिज़ाइन और विपणन सहायता की कमी और ऋण की सीमित सुलभता के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार स्थानीय रोज़गार को बढ़ावा देने के लिए विशेषकर नासिक में किसी बड़े वस्त्र पार्क, आधुनिक संकुल या कौशल विकास केंद्र को मंजूरी देने का विचार कर रही है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और महाराष्ट्र में नासिक को एक स्थायी वस्त्र केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए क्या कदम उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर
वस्त्र मंत्री
(श्री गिरिराज सिंह)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

“नासिक में वस्त्र क्षेत्र की संभावनाएँ” के संबंध में श्री राजाभाऊ पराग प्रकाश वाजे द्वारा दिनांक 05.08.2025 को उत्तर दिए जाने वाले लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 224 के उत्तर के भाग (क) से (ङ) में संदर्भित विवरण।

(क) और (ख): वस्त्र मंत्रालय ने नासिक जिले का जिला विशेष मूल्यांकन अध्ययन नहीं किया है। तथापि, पावरलूम, हथकरघा तथा हस्तशिल्प के तहत विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन करते हुए मंत्रालय ने नासिक जिले की क्षमता का मूल्यांकन किया है। नासिक जिले में वस्त्र क्षेत्र की मजबूत उपस्थिति है।

(ग): मंत्रालय ने नासिक जिले के वस्त्र इकोसिस्टम के सुधार में निरंतर सहयोग दिया है। विशेष रूप से, आधुनिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए, संशोधित प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (एटीयूएफएस) के अंतर्गत नासिक जिले में 13 इकाइयों को सब्सिडी प्रदान की गई है। दो बुनकर सेवा केंद्रों के डिज़ाइन केंद्र के माध्यम से हथकरघा समूहों को डिज़ाइन सहायता के अंतर्गत सामान्य सुविधाओं के लिए सहायता प्रदान की जाती है। वाणिज्य विभाग के साथ-साथ वस्त्र मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत भी व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों, क्रेता-विक्रेता बैठकों आदि के आयोजन और उनमें भागीदारी के लिए विपणन सहायता उपलब्ध है। एमएसएमई के अंतर्गत प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) जैसी योजनाएँ ऋण सहायता प्रदान करती हैं, पिछले तीन वर्षों में पीएमईजीपी के अंतर्गत नासिक जिले में कुल 34 वस्त्र इकाइयों को सहायता प्रदान की गई है।

(घ) और (ङ): वस्त्र मंत्रालय के तत्वावधान में पावरलूम सेवा केंद्र, मालेगांव स्थानीय लोगों को अल्पकालिक बुनियादी बुनाई प्रशिक्षण प्रदान करता है। सरकार 'समर्थ' के अंतर्गत मांग-आधारित, प्लेसमेंट-उन्मुख, कौशल विकास कार्यक्रमों को सहायता प्रदान करती है। राज्य सरकार ने एकीकृत एवं सस्टेनेबल वस्त्र नीति 2023-28 के तहत कई योजनाएँ शुरू की हैं, जिनका लक्ष्य अगले पाँच वर्षों में ₹25,000 करोड़ का निवेश और 5 लाख रोज़गार सृजित करना है। यह नीति पूरे महाराष्ट्र की वस्त्र इकाइयों को बिजली सब्सिडी, पूंजी सब्सिडी और सौर ऊर्जा सब्सिडी जैसे लाभ प्रदान करती है।

****